

दैनिक जागरण

(07.01.2015)

थाने में युवक ने गले में मारी ब्लेड

आष्टा। सिद्धीगंज थाने में रात को देवकरण ने गले में ब्लेड मारकर घायल कर दिया। पुलिस के अनुसार 5 जनवरी की शाम को अमरपुरा निवासी देवकरण सिंह को थाना सिद्धीगंज बुलाया गया था, जहां पर उसके भाई लखन के संबंध में पूछताछ की जा रही थी। रात्रि को सर्दी अधिक होने से थाना प्रांगण में अलाव जल रहा था, जहां पर पुलिस और पूछताछ के लिए बुलाए गए देवकरण आग ताप रहे थे। इसी बीच देवकरण ने ब्लेड से अपने गले पर प्रहार किया। देवकरण द्वारा ब्लेड से गले पर किए गए चार के कारण वह घायल हो गया। इसके बाद देवकरण का शासकीय चिकित्सालय में उपचार कराया गया। पुलिस ने देवकरण के विरुद्ध आत्महत्या के प्रयास का मामला दर्ज किया है।

पत्रिका
(07-01-2015)

अमानवीय व्यवहार • सतना में दृष्टिबाधित बच्चों की बेदम पिटाई और ग्वालियर के नशामुक्ति केंद्र में बच्चों को करते थे थर्ड डिग्री टॉर्चर

दृष्टिहीन बच्चों की लाठियों से कर दी पिटाई

बhopal@patrika.com
बंगला के सामने चाइल्ड स्पेशल नीड (सीडब्ल्यूसीएन) आवास में मंगलवार को दृष्टिहीन बच्चों की लाठियों से पिटाई की गई। अतजदा बच्चे पूछने के बावजूद कत छिपाते रहे हैं, लेकिन आवास के ही कुछ बच्चों ने जब से बताया तो रंगटे खड़े हो गए। आवास के प्रभारी अधीक्षक दिनेश री को बुलाया गया तो उन्होंने को अस्पताल भेजने की स्था करते हुए कर्मचारियों को कार लगाई।



छात्रावास में विशेष शिक्षक विजय कुमार मिश्रा मौजूद थे। नेत्रहीन विजय ने बताया, दिलीप मिश्रा, साहब लाल दाहिया और लक्खी साकेत सोमवार को हाई स्कूल में पढ़ने के लिए दोपहर 12 बजे गए थे। वहां से बाथरूम जाने के बहाने तीनों कक्षा से बाहर आए

और भाग निकले। ओवरब्रिज के पास से यात्री वाहन में सवार होकर लक्खी अपने गांव के लिए रवाना हो गया और साहब लाल के साथ दिलीप उसके घर भरजुना चला गया। छात्रावास स्टॉफ ने बच्चों के घर से जानकारी ली तो तीनों के परिजनों ने उनके घर में होने की सूचना दी। इस पर रामलाल पटेल भरजुना से साहब लाल और दिलीप को वापस ले आया।

डंडे से बेदम पीटा

जब बच्चों का डर खुला तो साहब लाल ने सच्चाई बताना शुरू कर दिया।

उसने अपने कपड़े उतारकर पीठ दिखाई। पीठ पर लाठियों के निशान बयां कर रहे थे कि उसे कितनी बेदर्दी से मारा गया होगा। कुछ देर बाद छात्रों के बीच छिपा बैठा दिलीप भी सामने आया। उसने भी अपनी पीठ दिखाई। दिलीप को और भी क्रूरता से लाठियों की मार दी गई थी।

मेने बच्चों का इलाज करने के बाद डीपीसी को सूचना दी है। डीपीसी व एपीसी छात्रवास आए थे, उन्होंने कर्मचारी के बयान लिए हैं। अब कार्रवाई वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर की जाएगी।

दिनेश शिवारी, प्रभारी अधीक्षक छात्रवास

कपड़े उतरवाकर गर्म ईंटों पर बिठाते थे

ग्वालियर. नशा खुड़ाने के नाम पर मारतम बच्चों, किशोरों सहित बड़े लोगों पर थर्ड डिग्री टॉर्चर किए जाने का मामला सामने आया है। यह नशामुक्ति केंद्र रिक्टर फाउंडेशन संस्था सत्यदेव नगर में किराए के मकान में संचालित करती थी। मामले सामने आते ही संचालक फरार हो गया। मकान मालिक की सजगता से संचालक आशीष शर्मा और उसकी पत्नी अर्चना शर्मा का धिनौना चेहरा सामने आया। जानक के मुताबिक 16-ए सत्यदेव नगर में प्रेमसिंह राठौर के मकान में किराए से रहने वाले यौनपुर निवासी आशीष शर्मा ने नशामुक्ति केंद्र खोला था। इसमें 15 वर्ष से लेकर 60 साल तक के लोगों को भर्ती किया जाता था। नशा खुड़ाने के नाम पर इबसे मारपीट के साथ अमानवीय व्यवहार किया जाता था। केंद्र में भर्ती बच्चों शक्यतः न बत कि सिलेंडरों से बांधकर पिटाई की जाती थी। वहीं, गर्म ईंट पर नग्न अवस्था में बैठ जाता था। उसने बताया कि केंद्र में दो बच्चों सहित 43 लोग भर्ती थे। नौ माह पर आशीष शर्मा ने एपीमेंट कर मकान किराए पर लिया था। इस मामले में कलेक्टर नरहरि ने कहा कि मामले की जांचकर कार्रवाई की जाएगी।

